



संख्या : / जी०एस०/ शिक्षा / A3-99/2019

प्रेषक,

रमेश कुमार सुधांशु
कुलाधिपति के सचिव।

सेवा में,

कुलसचिव,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल।

F-2 DEC 2019

राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय उत्तराखण्ड
महोदय,

देहरादून : दिनांक नवम्बर, 2019

कृपया कुलपति के पत्र संख्या: 312 मान्यता/केयू/2019-20 दिनांक 31 मई, 2019 तथा कुलसचिव के पत्र संख्या के०यू०/मान्यता/2019/843 दिनांक 25.10.2019 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा एम०बी० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल को एम०एस-सी० (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम में सत्र 2018-19 से 2020-21 एवं तक की अस्थाई सम्बद्धता का प्रस्ताव कुलपति की संस्तुति के साथ उपलब्ध कराया गया है।

2- यू०जी०सी० विनियमों के अनुसार वर्ष दर वर्ष के आधार पर सम्बद्धता निर्गत किये जाने के पूर्व निर्णय के क्रम में शैक्षिक सत्र 2018-19 से पूर्व के सत्रों की सम्बद्धता के सम्बन्ध में कुमाऊँ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद यू०जी०सी० के मानकों के पूर्ण होने की दशा में इस सचिवालय के पत्र संख्या 296 दिनांक 26 अप्रैल, 2019 के अनुसार निर्णय लेते हुए सम्बद्धता विषयक आदेश यथाशीघ्र जारी करे व आदेश की प्रति विश्वविद्यालय द्वारा मा० कुलाधिपति के अवगतार्थ उपलब्ध कराई जाये।

3- शैक्षिक सत्र 2019-20 के सम्बद्धता प्रस्ताव के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निरीक्षण मण्डल, कुलसचिव व कुलपति की संस्तुति के दृष्टिगत उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 (यथा प्रवृत्त उत्तराखण्ड राज्य) की धारा-37 (2) के अन्तर्गत मा० कुलाधिपति द्वारा एम०बी० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल को एम०एस-सी० (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम में 25 सीटों के साथ सत्र 2019-20 हेतु अस्थाई सम्बद्धता विस्तारण के प्रस्ताव पर पूर्व स्वीकृति/पूर्वानुमोदन निम्न उपबन्धों के साथ प्रदान कर दी गई है कि :-

(1) विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद यू०जी०सी० के सभी मानक पूर्ण होने की दशा में निर्णय लेते हुए सम्बद्धता विषयक आदेश जारी करेगी। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि विद्यालय की फैकल्टी की यू०जी०सी० के मानकानुसार अर्हता का अनुमोदन विश्वविद्यालय स्तर से ही यू०जी०सी० विनियम-2009 के विनियम 3.4 सहपठित 3.4.7 के दृष्टिगत किया जायेगा न कि उच्च शिक्षा निदेशक के स्तर से।

(2) यदि यू०जी०सी० विनियम-2009 के विपरीत विद्यालय की फैकल्टी की अर्हता विषयक अनुमोदन उच्च शिक्षा निदेशालय स्तर से किये जाने विषयक कोई शासनादेश आदि विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध हो तो विश्वविद्यालय इसकी प्रति मा० कुलाधिपति के अवगतार्थ उपलब्ध कराते हुए फैकल्टी व अनुमोदन प्रमाण-पत्र के सम्बन्ध में उचित दिशा-निर्देश मा० कुलाधिपति से प्राप्त करेगा।

4- अग्रेत्तर वर्षों हेतु सम्बन्धित वर्षों में यथा समयसारिणी प्रस्ताव प्राप्त होने पर विचार किया जायेगा।

5- तदनुसार अग्रेत्तर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

भवदीय,

(रमेश कुमार सुधांशु)
कुलाधिपति के सचिव।

संख्या : 3116 (1)/जी०एस०/ शिक्षा / A3-99/2019 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित

1. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी।
3. प्रबन्धक/प्राचार्य, सम्बन्धित संस्थान।
4. कम्प्यूटर प्रकोष्ठ/गार्ड फाइल हेतु।

आज्ञा से,

(एन०के० पोखरियाल)
कुलाधिपति के उप सचिव।